एक है जग का बाज़ीगर

एक है जग का बाजीगर,ये राज़ सभी ने जाना है ॥
किस देश का रहने वाला है,कोई वेश नही पहचाना है॥
वो रास रंग को क्या जाने,वो खुद ही रास रचाता है ॥
अपने ही प्यारो के पथ पर,दुनिया को नाच नचाता है ॥
उसका कोई दीवाना नही अपने आपका वो दीवाना है ॥
किस देश का.....
कोई एक है.....

अल्लाह है यही मौला है यही भगवान यही कहलाता है ॥
किसी एक का ये मालिक नही,हर किसी से इसका नाता है ॥
ये मंदिर मस्जिद गिरजाघर ये तो बस बहाना है ॥
किस देश का.....
कोई एक है..

ये ही तो गम देता सबको,ये ही खुशियां भी देता है ॥
ये ही तो धन और दौलत दे,और ये ही छीन भी लेता है ॥
वो लुटता है हम लूटते है,उसको किसी ने ना पकड़ा है ॥
किस देश का.....
कोई एक है....

ये ही है दिल में बसा हुआ,और ये ही दिल में छिपा हुआ है ॥
इनका तो बस कुछ भी हाथ नही, जब डोर है इसके हाथो में ॥
इंसान का काम नाचना है,और इसका काम नचाना ॥
किस देश का.....
कोई एक है.....

https://bhajanganga.com/bhajan/lyrics/id/5630/title/ek-hai-jag-ka-bajigar-ye-raj-sabhi-ne-jaana-hai

अपने Android मोबाइल पर BhajanGanga App डाउनलोड करें और भजनों का आनंद ले |